दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 140, शनिवार, 15 जून, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्टर्ड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

मोदी सरकार का टीवी चैनलों को फरमान, भारतीय भाषाओं में प्रसारित करें टीवी शोज के नाम

नई दिल्ली । केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने टीवी चैनलों को लेकर नया आदेश जारी करते हुए कहा है कि अब सभी चैनलों को अपने शोज के टाइटल भारतीय भाषाओं में भी दिखाना अनिवार्य होंगे। दरअसल कई शोज के टाइटल केवल अंग्रेजी में ही दिखाई जाते हैं। ऐसे में सरकार अब भारतीय भाषाओं को भी आगे लाकर उसका प्रचार करना चाहती है। इसी उद्देश्य से सरकार ने ये निर्देश जारी करते हुए टीवी चैनल को अपने प्रसारण के फॉर्मेट में ये बदलाव करने को कहा है। हालांकि केंद्र सरकार के इस फरमान से किसी चैनल के अधिकारों का हनन नहीं किया जा रहा फिर भी चैनलों को इसका पालन अवश्य रूप से करने के लिए कह दिया गया है। ये टाइटल कार्यक्रम की शुरुआत और इसके अंत में दिखाए जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने टीवी चैनल से जुड़े आदेश को जारी करते हुए बताया, टीवी चैनल कोई भी सीरियल दिखाएं, उस सीरियल की शुरूआत और अंत में कई बार इन शोज का टाइटल सिर्फ इंग्लिश में देखने को मिलता है।

अयोध्या में आतंकी हमले का अलर्ट, हरकत में आईं सुरक्षा एजेंसियां

लखनऊ, धर्मनगरी अयोध्या में सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया है। खुफिया एजेंसियों को ऐसी सूचना मिली है कि नेपाल के रास्ते भारत में घुसे आतंकी अयोध्या को निशाना बना सकते हैं। इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने यहां कड़ी सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। यहां आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सघन तलाशी ली जा रही है। पुलिस होटलों और धर्मशालाओं पर विशेष नजर रख रही है। बता दें कि अयोध्या आतंकी हमले के साजिशकर्ताओं को 18 जून को इलाहाबाद कोर्ट में सजा सुनाई जानी है। कोर्ट के फैसले को लेकर भी अयोध्या में हाई अलर्ट है।5 जून 2005 को विवादित परिसर में हुआ था फिदायीन हमला हुआ था। इस हमले को सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया था। लश्कर-ए-तैयबा के इस हमले को नाकाम करते हुए सुरक्षा बलों ने 5 आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया था। इस हमले के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने देश भर में प्रदर्शन किए थे। हमले से तार जुड़ने के कारण चार कश्मीरी लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

नियंत्रण रेखा पार करने की कोशिश में उरी में 4 गिरफ्तार

श्रीनगर । चार कश्मीरी युवकों को शुक्रवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करने की कोशिश में गिरफ्तार कर लिया गया। वे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हथियारों का प्रशिक्षण लेने के लिए नियंत्रण रेखा पार करने की कोशिश कर रहे थे। सूत्रों ने कहा कि गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान कुलगाम के आडिल डार, शोपियां के ताहिर लोन, सोपोर के समीर भट व बारामूला जिले के पट्टन के नवीद पारा के रूप में हुई है। इन्हें पुलिस को सौंप दिया गया है। सूत्रों ने कहा कि चार नए भर्ती किए गए आतंकवादियों को सुरक्षाबलों द्वारा एलओसी के उरी सेक्टर के बोनियार इलाके में गिरफ्तार किया गया, जब वे पाकिस्तान के कब्जे वाले हिस्से में हथियार के प्रशिक्षण के लिए घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे।

एससीओ

एससीओ में भारत की बड़ी जीत, साझा घोषणापत्र में सीमा पार आतंकवाद का भी जिक्र

नई दिल्ली:

भारत और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के अन्य सदस्य देशों ने शुक्रवार को आतंकवाद के हर स्वरूप की निंदा की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आतंकवाद से मुकाबले में सहयोग बढ़ाने की अपील की। एससीओ की राष्ट्राध्यक्ष परिषद के बिश्केक घोषणा-पत्र के मुताबिक, सदस्य देशों ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवादी एवं चरमपंथी कृत्यों को सही नहीं ठहराया जा सकता। घोषणा-पत्र में कहा गया कि आतंकवाद, आतंकवादी एवं चरमपंथी विचारधारा का फैलाव, जनसंहार के हथियारों का प्रसार, हथियारों की होड़ जैसी चुनौतियां और सुरक्षा संबंधी खतरे सीमा पार प्रकृति के होते जा रहे हैं। इन पर वैश्विक समुदाय द्वारा विशेष ध्यान देने, बेहतर समन्वय और रचनात्मक सहयोग करने की जरूरत है।

बिश्केक घोषणा-पत्र के मुताबिक, ''सदस्य राष्ट्र आतंकवाद के हर स्वरूप की निंदा करते हैं।%% घोषणा-पत्र में कहा गया, ''वे अंतरराष्ट्रीय समुदाय का आह्वान करते हैं कि आतंकवाद से मुकाबले में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दें। इसमें संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका हो, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के अनुरूप संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों को बगैर किसी राजनीतिकरण और दोहरे मानदंड के पूरी तरह लागू करेगा और ऐसा करते हुए सभी देशों की संप्रभुता एवं आजादी के प्रति आदर का भाव रखेगा।%%प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां एससीओ शिखर सम्मेलन में शुक्रवार को हिस्सा लिया। एससीओ चीन की अगुवाई वाला आठ देशों का आर्थिक एवं सुरक्षा समूह है। भारत और पाकिस्तान को इसमें 2017 में शामिल किया गया था। चीन, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान एससीओ के अन्य सदस्य देश हैं। सदस्य देशों ने वैश्विक समुदाय से यह अपील भी की कि वे अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन (सीसीआईटी) पर आम राय बनाने की दिशा में काम करें।

झारखंड में पुलिस वाहन पर नक्सली हमला, 5 जवान शहीद

सरायकेला । झारखंड के सरायखेला में पुलिस की गाड़ी पर हुए नक्सली हमले में पांच जवान शहीद हो गए जबकि एक जवान ने बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाई। छठा जवान तिरुडीह थाने पहुंचा और पुलिस को वारदात की जानकारी दी। शहीदों में दो एएसआई और 3 कांस्टेबल शामिल हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद के बाद नक्सली पुलिस के हथियार लेकर फरार हो गए। पश्चिम बंगाल और तमाड़ के सीमावर्ती क्षेत्र तिरूडीह थाना के साप्ताहिक हाट में 7 से 8 की संख्या में मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए नक्सलियों ने पुलिस पेट्रोलिंग गाड़ी पर फायरिंग की। इस हमले में 5 पुलिसकर्मियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। झारखंड के सरायकेला में कुछ दिनों पहले भी एक नक्सली हमला हुआ था। यहां कुचाई इलाके में 209 कोबरा बटालियन और झारखंड पुलिस की टुकड़ी पर नक्सलियों ने आईईडी धमाका किया था। छत्तीसगढ़ के कांकेर में गुरुवार देरात पुलिस और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए। दोनों नक्सलियों ने वर्दी पहनी हुई थी। घटना स्थल से पुलिस को कुछ हथियार भी मिले हैं, जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

बैलेट पेपर से चुनाव कराने वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नेशनल डेस्क:

सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को बैलेट पेपर से दोबारा लोकसभा चुनाव कराने के निर्देश देने की याचिका दाखिल की गई, जिस पर उच्चतम न्यायालय ने तुरंत सुनवाई करने से साफ इनकार कर दिया। वकील मनोहर शर्मा ने गुरुवार को अदालत में यह याचिका दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव रद्द करके अदालत से बैलेट पेपर से दोबारा चुनाव कराने के निर्देश देने को कहा था। शर्मा ने गुरुवार को कहा था कि रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल्स (आरपी) एक्ट के तहत चुनाव केवल बैलेट पेपर से ही हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने मांग की है कि इन चुनाव परिणामों को खारिज किया जाए और बैलेट पेपर के जरिए नए चुनाव कराए जाएं। शर्मा ने याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया है। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2019 हाल ही में संपन्न हुए हैं। जिसमें भारतीय जनता पार्टी 300 से भी अधिक सीटें जीतकर एक बार फिर सत्ता में आई है। वहीं कांग्रेस पार्टी महज 52 सीट पर आकर सिमट गई। विपक्षी पार्टियां कई चुनावों में हार के बाद ईवीएम पर सवाल खड़े करती रही हैं।

राज्यसभा में मनमोहन सिंह का खत्म हुआ कार्यकाल, संसद में नहीं दे पाएंगे विदाई भाषण

नेशनल डेस्क: पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का राज्यसभा सांसद का कार्यकाल शुक्रवार को खत्म हो गया है। वह असम से लगातार पांचवीं बार राज्यसभा सांसद बने थे। 15 जून 2013 से छह साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद फिलहाल उनकी संसदीय राजनीति पर ब्रेक लग गया है। असम में पर्याप्त विधायक न होने के कारण कांग्रेस इस हैसियत में नहीं रही कि उन्हें फिर से राज्यसभा भेज सके।असम में खाली हुई दो राज्यसभा सीटों पर इसी साल मई में चुनाव हुए थे, जिसमें सत्ताधारी बीजेपी की अगुवाई वाला एनडीए अपने उम्मीदवार जिताने में सफल रहे। इसमें मनमोहन सिंह की भी सीट शामिल रही। असम की दो राज्यसभा सीटों में से एक बीजेपी और दूसरी असम गण परिषद (AGP) के खाते में गई। वहीं, कांग्रेस के सूत्रों का मानना है कि अभी यह नहीम मान लेना चाहिए कि मनमोहन सिंह का संसदीय करियर खत्म हो गया। आगामी समय में राज्यसभा चुनाव का मौका आने पर पार्टी उन्हें किसी ऐसे राज्य से उच्चसदन में भेज सकती है, जहां पार्टी के विधायकों की संख्या पर्याप्त हो। हालांकि इसके लिए डॉ. मनमोहन सिंह को इंतजार करना पड़ेगा। मनमोहन सिंह कार्यकाल ऐसे वक्त खत्म हुआ है, जबकि तीन दिन बाद ही 17 जून को बजट सत्र शुरू हो रहा है। ऐसे में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह संसद में अपना विदाई भाषण नहीं दे पाएंगे।

बंगाल मे रहना है तो बंगाली बोलनी पड़ेगी: ममता बनर्जी

कांचरापाड़ा। डॉक्टरों की हड़ताल से चारों ओर से घिरी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अब विपक्षी दलों पर हमला बोलने के लिए बांग्ला कार्ड खेला। ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में रहने वालों को बांग्ला भाषा में बोलना सीखना होगा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने दोहराया कि बाहरी लोग राज्य में डॉक्टरों के आंदोलन को उकसा रहे हैं। ममता ने भाजपा पर बंगालियों और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा,'बाहरी लोग डॉक्टरों को उकसा रहे हैं। मैंने सही कहा था कि वे कल के प्रदर्शन में शामिल थे। मैंने (एसएसकेएम अस्पताल में) कुछ बाहरियों को नारेबाजी करते हुए देखा। ममता ने आरोप लगाया कि हाल में हुए लोकसभा चुनावों में ईवीएम में 'गड़बड़ी की गई थी। उन्होंने कहा कि चुनाव कराने के लिए मतपत्रों का इस्तेमाल होना चाहिए। ममता बनर्जी ने कहा,'सिर्फ इसलिए कि वे (भाजपा) ईवीएम में गड़बड़ी करके कुछ सीटें जीत गए, इसका मतलब यह नहीं कि वे बंगालियों और अल्पसंख्यकों को पीट सकते हैं। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, 'पुलिस हंगामा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। अगर कोई बंगाल में रह रहा है तो उसे बांग्ला (भाषा) सीखनी पड़ेगी।

मालेगांव ब्लास्ट केस में बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा कदम, चार आरोपियों को दी जमानत

मुंबई । 29 सितंबर 2008 को मालेगांव में एक मस्जिद के समीप हुए धमाके के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने चार आरोपियों को जमानत दी है। इनके नाम हैं लोकेश शर्मा, धन सिंह, राजेंद्र चौधरी और मनोहर नरवरिया। इस ब्लास्ट में छह लोग मारे गए थे और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे। मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल बांधे गए विस्फोटक पदार्थ से इसे अंजाम दिया गया था।गौरतलब है कि मालेगांव ब्लास्ट में आरोपी बीजेपी सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर, समीर कुलकर्णी और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित ने इस केस से रिहाई की अपील की है। तीनों ने बॉम्बे हाईकोर्ट में इसके लिए डिस्चार्ज पिटीशन दायर की है। बॉम्बे हाईकोर्ट इनकी पिटीशन पर 29 जुलाई को आखिरी सुनवाई करेगा।

5 राज्यों में एक साथ चुनाव की तैयारी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में इसी साल चुनाव!

जालंधर(नरेश)।

लोकसभा चुनावों की खुमारी से उतरे देश के 5 राज्यों में इस साल विधानसभा के चुनाव हो सकते हैं। महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभाओं का कार्यकाल इस साल नवम्बर में खत्म हो रहा है। लिहाजा इन दोनों राज्यों में अक्तूबर में चुनाव करवाए जा सकते हैं लेकिन इसके साथ ही भाजपा के शासन वाली झारखंड विधानसभा का कार्यकाल अगले साल जनवरी और दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल अगले साल फरवरी में खत्म हो रहा है। इनमें से झारखंड में भाजपा समय से पहले विधानसभा भंग करवाकर महाराष्ट्र और हरियाणा के साथ चुनाव करवाने की सिफारिश कर सकती है जबकि दिल्ली में समय से चुनाव करवाने का फैसला आयोग खुद कर सकता है। संवैधानिक तौर पर आयोग के सामने इस मामले में कोई अड़चन नहीं है क्योंकि किसी भी विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से 6 महीने पहले तक संवैधानिक तौर पर चुनाव करवाए जा सकते हैं। इस बीच जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर भी अटकलें शुरू हो गई हैं। चुनाव आयोग ने कुछ दिन पहले ही आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट किया है कि आयोग इसी साल के अंत में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव करवाने की सम्भावना पर विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि अमरनाथ यात्रा पूरी होने के बाद केन्द्र सरकार और गृह मंत्रालय राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति का विशलेषण करेगा और यदि सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ और राज्य की कानून व्यवस्था सही हुई तो जम्मू-कश्मीर में भी इन चारों राज्यों के साथ चुनाव करवाए जा सकते हैं। अमरनाथ यात्रा अगस्त के दूसरे सप्ताह में खत्म होगी। इसके बाद ही स्थिति के आकलन और राजनीतिक दलों के साथ बैठक के बाद चुनाव की तारीखों का ऐलान किया जा सकता है।

अमित शाह ने तय किए बड़े लक्ष्य

इस बीच भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अमित शाह ने हरियाणा, झारखंड के चुनाव के लिए लक्ष्य भी तय कर लिए हैं। इन तीनों राज्यों की कोर कमेटियों के साथ हुई बैठक में अमित शाह ने हरियाणा के लिए 90 में से 75, झारखंड के लिए 81 में से 65 सीटों का लक्ष्य रखा है। पिछली बार हरियाणा में भाजपा ने 46 और झारखंड में 37 सीटें जीती थीं। महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ सीटों के आबंटन को लेकर स्थिति साफ नहीं हुई है। लिहाजा इस बारे में भाजपा शिवसेना के साथ सीटों का आबंटन होने के बाद ही कोई फैसला लेगी।

पस्त विपक्ष का फायदा उठाना चाहती है भाजपा

भाजपा महाराष्ट्र और हरियाणा के साथ-साथ झारखंड में चुनाव करवाने का दाव इसलिए भी खेल रही है क्योंकि विपक्ष में इस समय बड़े पैमाने पर फूट पड़ी हुई है और मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस अंदरूनी संकट से जूझ रही है। हरियाणा में कांग्रेस का सबसे बुरा हाल है जहां प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर चुनाव में हार के बाद भी अध्यक्ष बने हुए हैं, जबकि भूपेन्द्र सिंह हुड्डा का खेमा उन्हें अध्यक्ष पद से हटाने पर उतारू है। यही हालात महाराष्ट्र में हैं। महाराष्ट्र में एन.सी.पी. संकट के दौर से गुजर रही है और उसके नेताओं पर केन्द्रीय एजेंसियों ने शिकंजा कसा हुआ है। कांग्रेस की हालत भी महाराष्ट्र और दिल्ली में बहुत अच्छी नहीं है। आम आदमी पार्टी भी यहां कमजोर नजर आ रही है। लिहाजा विपक्षी कमजोरी का फायदा उठा कर भाजपा जल्दी चुनाव का दाव खेलना चाहती है।

बंगाल में 300 से अधिक डॉक्टरों ने दिया इस्तीफा- ममता बैनर्जी की माफी पर अड़े डॉक्टर

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टर से मारपीट के बाद शुरू हुए विवाद और डॉक्टरों की हड़ताल के बीच राज्य भर के 300 से अधिक डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बिना शर्त माफी की मांग को लेकर शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल के 175 डॉक्टरों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया। इससे पहले आर जी कर अस्पताल के 95 डॉक्टरों ने एक साथ इस्तीफा दिया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि मुख्यमंत्री गुरुवार को एसएसकेएम के दौरे के दौरान डॉक्टरों की हड़ताल को लेकर की गयी टिप्पणी के लिए बिना शर्त माफी मांगे अन्यथा वे एक साथ नौकरी छोड़ देंगे। सुश्री बनर्जी ने कल हड़ताली डॉक्टरों को चार घंटे के भीतर काम पर लौटने अथवा उनके खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी थी। उन्होंने यह आरोप भी लगाया था कि हड़ताली डॉक्टरों के बीच बाहरी लोग भी शामिल हैं। एनआरएस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में राज्य में सोमवार से शुरू हुए इस विवाद के बाद अस्पताल के प्रिंसिपल के इस्तीफे के बाद सागर दत्ता अस्पताल के 18 वरिष्ठ डॉक्टरों और नॉर्थ बंगाल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के कई डॉक्टरों ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में ओपीडी मंगलवार से ही प्रभावित है। नाराज डॉक्टर्स ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बिना शर्त माफी की मांग की है। हड़ताल कर रहे डॉक्टरों ने काम पर लौटने के लिए 6 शर्तें रखी हैं, जिनमें ममता बनर्जी की माफी भी शामिल है। पश्चिम बंगाल में 4 दिन से हड़ताल कर रहे डॉक्टर्स ने कहा, हम सीएम ममता बनर्जी से उनके कल के भाषण के लिए बिना शर्त माफी चाहते हैं। वहीं इंडियन मेडिकल कॉलेज ने भी गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने की मांग की है। जूनियर डॉक्टर के एक फोरम के प्रवक्ता डॉक्टर अरिंदम दत्ता ने कहा, जिस तरह कल सीएम ने डॉक्टरों से बात की, वैसे बात नहीं करनी चाहिए थी। ममता बनर्जी ने अपने भाषण में बाहरी लोगों का जिक्र कर बीजेपी और सीपीआई पर इस मुद्दे को भड़काने का आरोप लगाया था। इस बीच एनआरएस के डॉक्टरों ने एक विज्ञप्ति जारी कर सुश्री बनर्जी को अस्पताल आने, अपने बयान के लिए माफी मांगने, 21 जूनियर डॉक्टरों के खिलाफ दायर आरोप पत्र वापस लेने और सरकारी अस्पतालों में काम कर रहे डॉक्टरों की सुरक्षा का लिखित आश्वासन देने की मांग की है।

संपादकीय

सरकार से उम्मीदें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को आला अधिकारियों को और बुधवार को मंत्रियों को जिस तरह से प्रेरित किया, उससे न केवल राज्य सरकारों, बल्कि देशवासियों को भी सीखना चाहिए। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को समय से कार्यालय आकर कुशलता से कार्य करने की जो नसीहत दी है, उसकी आवश्यकता स्वाभाविक ही महसूस की जा सकती है। सरकारी दफ्तरों में जब फाइलों का अंबार लगा हो, तब किसी भी मंत्रालय या विभाग के मुखिया को सुस्ती या ढिलाई का परिचय क्यों देना चाहिए? देश की सेवा योग्य सच्चा मंत्री या राज्य मंत्री तो वही है, जो समय से कार्यालय आए, देश-दुनिया में हो रहे नए बदलावों से अवगत हो, आम लोगों से मिले, जन-प्रतिनिधियों से मिले, अधिकारियों से नियमित चर्चा करे। प्रधानमंत्री ने जहां एक ओर, आला अधिकारियों को जिम्मेदारी का एहसास कराया है, तो वहीं दूसरी ओर, मंत्रियों को अनुशासन की सलाह दी है। प्रधानमंत्री की मंशा हर दृष्टि से आदर योग्य है, लेकिन यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि वह मंत्रियों और अधिकारियों में कैसा और कितना सुधार ला पाते हैं। जब मंत्री और अधिकारी प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार काम करने लगेंगे, तो सरकार के समग्र कामकाज में सुधार स्पष्ट दिखने लगेगा। सचिवालय और मंत्रालय स्तर पर कामकाज में सुधार की दिशा में प्रधानमंत्री की इस कवायद के अन्य दो महत्वपूर्ण पहलू भी हैं। एक पहलू यह कि प्रधानमंत्री ने संसद सत्र के दौरान मंत्रियों को कहीं और न जाने की सलाह दी है। भारतीय संसद वैसे भी कम ही दिन बैठक करती है, लेकिन उसमें भी मंत्रियों की आंशिक उपस्थिति की प्रवृत्ति पुरानी है। कहना न होगा, मंत्रियों की अनुपस्थिति की कीमत सरकार और देश चुकाता रहा है। यह स्वयं राजनीतिक हित में भी है कि मंत्री संसद सत्र के दौरान सदन में मौजूद रहें, हर प्रश्न का यथोचित उत्तर दें और विपक्ष की अच्छी सलाहों पर ध्यान दें। अनुशासित मंत्री और राज्य मंत्री तमाम सांसदों के लिए भी प्रेरणास्रोत होंगे। दूसरा पहलू, प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार, राज्य मंत्रियों का कार्यभार बढ़ने वाला है। कैबिनेट सचिवालय ने जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं, उसके अनुसार, कैबिनेट मंत्रियों पर रहने वाला कामकाजी भार कम होगा और राज्य मंत्री केवल नाममात्र के मंत्री नहीं रहेंगे। वैसे इस तरह के प्रयास पहले भी हुए हैं, लेकिन इस बार सचिवालय से जिस तरह से निर्दिष्ट निर्देश जारी हुए हैं, उससे नई उम्मीद बंधी है। कैबिनेट मंत्रियों के पास विचार करने और विभाग को व्यापक दिशा देने के लिए ज्यादा समय होगा। भारत जैसे विशाल देश में जिस तरह से चुनौतियां बढ़ रही हैं, उस पर नई सरकार को गंभीरता से गौर करना चाहिए। गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, धर्मस्थल, आदिवासी, जंगल, खनिज, जमीन, पानी, नदी सफाई, माओवादी हंसा, आतंकवाद इत्यादि अनेक स्थायी मुद्दे हैं। ऐतिहासिक जनादेश की सार्थकता इसी में है कि नई सरकार अपने अच्छे कार्यों से लोगों के विश्वास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दे। सरकार ज्यादा अनुशासन, तैयारी, संवेदना, समझदारी से काम करती दिखेगी, तो पूरा देश सुधार के लिए स्वत: प्रेरित होगा। ध्यान रहे, भारतीय लोकतंत्र सबकी निगाह में है। सरकार को अपनी पारंपरिक छवि से ऊपर उठकर दुनिया के लिए मिसाल बन जाना चाहिए।

ट्वीट

फासीवाद

योगी जी को उल्टा-सीधा बोलने के चक्कर में पकड़ लिए जाएं तो देश में फासीवाद है। लेकिन केरल में मुख्यमंत्री की आलोचना लिखने पर सैकड़ों लोगों को जेल भेजने की कवायद शुरू हो तो ये साम्यवाद है, चुप्पी है। इस देश के बुद्धिजीवियों ने गुनाहों का वर्गीकरण करके सबसे बड़ा गुनाह किया है।

अतुल कुमार राय लेखक

ट्रेड वार को अवसर में बदले भारत

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यदि चीन और भारत ने अमेरिका के उत्पादों और सेवाओं पर आयात शुल्क में उपयुक्त कमी नहीं की तो अमेरिका अपने बाजार में इन दोनों देशों से आने वाले उत्पादों पर आयात शुल्क और बढ़ाने की नीति पर आगे बढ़ेगा। ट्रंप के ऐसे कठोर वक्तव्य से वैश्विक ट्रेड वार के गहराने की आशंका बढ़ गई है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों 8 एवं 9 जून को जापान के शहर फुकुओका में आयोजित हुए जी-20 देशों के वित्तमंत्रियों और केंद्रीय बैंक के प्रमुखों की शिखर बैठक में सभी ने एकमत से यह स्वीकार किया कि विश्व में व्यापार तनाव बढ़ता जा रहा है और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था का जोखिम बढ़ा है। इस बात को स्वीकार किया गया कि आर्थिक वृद्धि नीचे बनी हुई है तथा इसके और नीचे जाने का जोखिम इसलिए है क्योंकि अमेरिका तथा चीन दोनों लगातार एक-दूसरे को आयात शुल्क बढ़ाने की चेतावनी दे रहे हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्टीवन न्यूचिन ने कहा कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस महीने के अंत में होने वाले जी-20 देशों के राष्ट्र प्रमुखों के शिखर सम्मेलन के दौरान किसी सहमति पर पहुंचने में सफल नहीं रहते हैं तो अमेरिका चीन पर अतिरिक्त शुल्क लगा सकता है।

इस शिखर बैठक में अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की प्रमुख क्रिस्टीन लेगार्ड ने कहा कि अमेरिका और चीन के द्वारा एक-दूसरे पर शुल्क वृद्धि से वर्ष 2020 में वैश्विक जीडीपी में 0.5 प्रतिशत या करीब 455 अरब डॉलर की कमी आ सकती है। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि टिकाऊ तरीके से व्यापार को बढ़ावा देने तथा रोजगार सृजन तेज करने के लिए विकासशील देशों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को समर्थन देने की जरूरत है। विकासशील देशों में एमएसएमई की बेहतर भागीदारी को समर्थन देना रोजगार एवं आय सृजन के लिए महत्वपूर्ण है। इस शिखर बैठक में वैश्विक मतभेदों के बीच गहन परिचर्चा के बाद जी-20 के वित्तमंत्रियों और केंद्रीय बैंक के प्रमुखों ने अंतिम बयान में कहा कि वे 2020 तक ट्रेड वार को रोकने की सहमति के आधार पर समाधान के लिए प्रयासों में तेजी लाने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

निःसंदेह जी-20 देशों के वित्तमंत्रियों और केन्द्रीय बैंक के प्रमुखों की इस शिखर बैठक के बाद यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि व्यापार युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था में जोखिम बना हुआ है। इसी परिप्रेक्ष्य में हाल ही में विश्व बैंक ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की परिदृश्य रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिका और चीन के बीच गहराते ट्रेड वार के कारण 2019 के लिए दुनिया की पूर्व निर्धारित विकास दर 2.9 फीसदी से घटकर 2.7 फीसदी रह जाएगी और भारत की विकास दर भी पूर्व निर्धारित 7.5 फीसदी से घटकर 7 फीसदी रह जाएगी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने पिछले वर्ष जनवरी 2018 में कुछ चीनी उत्पादों पर आयात शुल्क लगाकर व्यापार युद्ध की शुरुआत की। इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क लगा दिए। इस व्यापार युद्ध से भारी हानि की आशंका को देखते हुए अमेरिका व चीन ने 24 अगस्त, 2018 के बाद लगातार समाधान वार्ता आयोजित की। लेकिन 10 मई तक इस वार्ता का कोई समाधान नहीं निकला और इस वार्ता को टूट के कगार पर देखकर अमेरिका ने 10 मई से चीन से आयातित 200 अरब डॉलर की वस्तुओं पर शुल्क की दर मौजूदा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दी। इस पर चीन ने भी अमेरिका से आयात होने वाले 60 अरब डॉलर मूल्य की 5140 वस्तुओं पर आयात शुल्क 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 फीसदी कर देने की स्पष्ट चेतावनी दी। ऐसे में अमेरिका और चीन के बीच तेजी से बढ़ते ट्रेड वार के खतरों से भारत को बचाना मोदी-2 सरकार की एक बड़ी चुनौती है। एक ओर चीन अपने उन उत्पादों को भारतीय बाजार में तेजी से भेजना चाहेगा, जिन पर अमेरिका में आयात शुल्क बढ़ गया है। दूसरी तरफ अमेरिका भी 5 जून से भारत को जीएसपी के लाभों से वंचित करने के बाद अब भारत के उत्पादों पर आयात शुल्क

बढ़ाकर भारत को ट्रेड वार की चपेट में ले सकता है। ऐसे में जरूरी होगा कि मोदी-2 सरकार भारत को ट्रेड वार के इन नए खतरों से बचाने और अमेरिका तथा चीन में निर्यात बढ़ने की नई संभावनाओं के मौकों को मुट्ठी में लेने की नई रणनीति बनाए। दुनिया के अर्थ विशेषज्ञ यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि यद्यपि अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वार से वैश्विक सुस्ती बढ़ेगी, लेकिन अमेरिका और चीन में भारत से निर्यात बढ़ने की संभावनाओं के नए मौके निर्मित होंगे। वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र संघ की यह अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत हुई है कि चालू वित्त वर्ष 2019-20 में अमेरिका व चीन के ट्रेड वार के कारण इन दोनों देशों में भारत से 3.5 फीसदी निर्यात बढ़ेगे। विदेश व्यापार विशेषज्ञों का मत है कि अमेरिका से चीन में अमेरिकी सामानों की आवक घटने पर भारत चीन को करीब 100 उत्पादों की आपूर्ति बड़े पैमाने पर कर सकता है। इनमें तंबाकू, ताजा अंगूर, रबर, गोंद, ल्यूब्रिकेंट्स, सोयाबीन, आयल, अलाय स्टील, कॉटन, बादाम, अखरोट, कृषि उत्पाद, विभिन्न रसायन आदि शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले कई वर्षों से चीन के साथ छलांगें लगाकर बढ़ता हुआ व्यापार घाटा भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया था। पिछले वर्ष भारत से चीन का निर्यात बढ़कर 18 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो वर्ष 2017-18 में 13 अरब डॉलर था। इतना ही नहीं, चीन से भारत का आयात भी 75 अरब डॉलर से कम होकर 70 अरब डॉलर रह गया। ऐसे में अमेरिका और चीन के ट्रेड वार के बीच भारत से चीन को निर्यात बढ़ने की संभावनाओं से भारत-चीन व्यापार घाटे में और कमी आएगी। इसी तरह अमेरिका में चीनी उत्पादों पर आयात शुल्क संबंधी प्रतिबंधों के कारण अमेरिका में चीनी उत्पादों की आमद घट जाएगी। ऐसे में भारत अमेरिका में मशीनरी, इलेक्ट्रिकल उपकरण, वाहन, परिवहन कलपुर्जे, रसायन, प्लास्टिक, रबड़ जैसे उत्पादों का बड़े पैमाने पर निर्यात बढ़ा सकता है। भारत अमेरिका को टेक्सटाइल, गारमेंट और जेम्स-ज्वैलरी का निर्यात भी बढ़ा सकता है। यद्यपि अमेरिका में भारत के निर्यात की नयी संभावनाएं हैं लेकिन यह जरूरी है कि भारत के अमेरिका के साथ व्यापार मतभेदों का उपयुक्त समाधान हो। भारत अभी अमेरिका का 13वां बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट है। जबकि भारत का सबसे ज्यादा निर्यात अमेरिका को होता है। निःसंदेह भारत का यह एक सराहनीय कूटनीतिक कदम है कि भारत में अमेरिका से आयातित बादाम, अखरोट और दालों समेत 29 वस्तुओं पर जवाबी शुल्क लगाने की समय सीमा को लगातार आगे बढ़ाया गया है। ऐसे में भारत-अमेरिका के बीच कारोबारी तनाव को कम करने के लिए व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाना होगा और एक उचित दृष्टिकोण प्रस्तुत करना होगा। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसी जून माह के अंत में होने वाले जी-20 देशों के राष्ट्र प्रमुखों के शिखर सम्मेलन में दुनिया को वैश्विक व्यापार युद्ध से बचाने के लिए प्रयासरत दिखेंगे। यदि वैश्विक ट्रेड वार रुकने की संभावनाएं नहीं बन पाईं तो मोदी-2 सरकार भारत को ट्रेड वार के खतरों से बचाने तथा अमेरिका और चीन में निर्यात बढ़ाने के लिए सुनियोजित रणनीति के साथ आगे बढ़ेगी।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

ज्ञान गंगा

पीढ़ी की गलती

जग्गी वासुदेव/ हर पीढ़ी एक ही गलती करती है, इसका मतलब है कि वे कुछ नहीं सीख रहे। एक समाज के निर्माण में परिवार सबसे बुनियादी संस्था होती है, मगर इसका अर्थ यह नहीं है कि आपको बुनियादी ही बने रहना है। आपका परिवार आपकी बायोलॉजिकल पहचान है। आपकी बायोलॉजी सबसे बुनियादी पहचान है। लेकिन जीवन भर खुद को अपनी बायलॉजिकल पहचान तक सीमित रखना एक अपराध है, जिसके कई नतीजे हो सकते हैं। इस देश ने लंबे समय तक इसके कारण बहुत चीजें भुगती हैं। परिवार एक बुनियादी पहचान है, जो हमें जन्म के साथ ही मिल जाती है। यह पहचान तब तक बहुत अच्छी है, जब तक आप बच्चे होते हैं। एक लड़के के पुरु ष बनने या लड़की के स्त्री बनने में लंबा समय लगता है, इस समय के दौरान परिवार में उसका पालन-पोषण सबसे महत्वपूर्ण होता है। लेकिन आपको उस पहचान से निकल कर आगे बढ़ना होता है, जो बहुत से लोग कभी नहीं करते और फिर कष्ट उठाते हैं। कई बार किसी के किसी खास जगह जन्म लेने की वजह से पूरे देश को भुगतना पड़ता है। पूरा का पूरा महाभारत महज एक पारिवारिक समस्या थी। आपने कहा कि हर पिता और पुत्र के बीच किसी तरह का रोष होता है। क्या जरूरी है कि यह रोष पिता और पुत्र के बीच में ही हो? दरअसल, पिता और पुत्र की बात नहीं है, यह बस एक ही घर में रहने वाले दो पुरु षों की बात है। जब आप आठ-दस साल के होते हैं तो आपके पिता भगवान की तरह होते हैं। समस्या तब शुरू होती है, जब आप पंद्रह-सोलह साल के होते हैं। उस समय आप पुरु ष बनना चाहते हैं, और इसके लिए स्पेस नहीं होता क्योंकि आपके पिता ने अधिक स्पेस घेर रखा होता है। इस स्थिति में दोनों एक-दूसरे को पिता और पुत्र के रूप में नहीं पहचान रहे होते, वहां बस दो पुरु ष होते हैं, जिनके लिए स्पेस काफी नहीं होता। यह सिर्फ इंसानी परिवारों में ही नहीं बल्कि दूसरे जीवों के जीवन में भी होता है, चाहे हाथी हो, भैंस हो, या और कोई और जीव। जब पिता और पुत्र में टकराव होता है, तो दोनों में से एक वह जगह छोड़कर चला जाता है। इसलिए यह समस्या पिता और पुत्र की नहीं है, यहां दो पुरु ष होते हैं जो एक ही जगह और एक ही स्त्री को, जिसे एक ''मां'' कहता है और दूसरा ''पत्नी'', को बांटने की कोशिश करते हैं।

जिंदगियां बदलने वाली 'परी मां'

चित्रित चेहरा/ अरुण नैथानी

यह फिल्मी कहानी-सी लगती है कि किसी महिला की शादी पांच साल में कर दी जाये, वह तीसरी कक्षा से आगे न पढ़ सके, परिवार के हिस्से में जीविका का साधन एक एकड़ से कम जमीन हो, परिवार की मासिक आय दस-बारह हजार हो और वह अपनी प्रेरक सोच के चलते सबसे बड़े लोकतंत्र की सांसद चुनी जाये। ओडिशा की बहुचर्चित अस्का सीट से सांसद चुनी गई प्रमिला बसोई इस कहानी की हकीकत है। सत्रहवीं लोकसभा का चुनाव इस मायने में खास रहा कि स्वतंत्र भारत में पहली बार 78 महिलाएं सांसद चुनी गईं। हालांकि यह संख्या उनके वास्तविक हक से काफी कम है। ओडिशा ने 33 फीसदी महिलाओं को संसद में भेजकर देश की मुख्यधारा के राजनेताओं को आईना दिखाया है, जिनमें ओडिशा आदिवासी क्षेत्र से आने वाली सबसे कम उम्र की महिला सांसद चंद्राणी मुर्मु भी शामिल है। कभी आंगनवाड़ी में खाना बनाने का काम करने वाली प्रमिला को लगा कि इससे परिवार का गुजारा नहीं होने वाला। उन्होंने महिलाओं को प्रेरित करने के लिये स्वयं सहायता समूह बनाकर नई पहल की। उनके प्रयासों से सैकड़ों परिवारों की जिंदगी बदल गयी। उन्होंने छोटी जोत की खेती करने वाली महिलाओं को नकदी फसल मसलन मक्का, मूंगफली व मौसमी सब्जियां बोने को प्रेरित किया। इससे उनकी आमदनी में खासी वृद्धि हुई। कालांतर वह ओडिशा बीजू जनता दल की बहुप्रचारित महिला स्वयं सहायता समूह के 'मिशन शक्ति' का प्रतिनिधि चेहरा बनायी गई। इस योजना के बारे में राज्य सरकार का दावा है कि इससे सत्तर लाख महिलाओं को फायदा हुआ है। बेहद साधारण से पहनावे वाली इस भारतीय महिला के चेहरे पर दमकती बिंदी, चटख सिंदूर तथा नाक में फूली एक अलग आभा देती है। प्रमिला बसोई सत्तर साल की उम्र में भी बेहद सक्रिय हैं। उनके पति चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। एक बेटा दिलीप चाय की दुकान करता है, दूसरा स्टार गाड़ियों की मरम्मत का काम करता है। दो बेटियों की शादी हो चुकी है। टिन की छत वाले मकान में रहने वाला परिवार दस-बारह हजार की आमदनी में जीवनयापन करता है।

प्रमिला की प्रेरणा से अपनी गृहस्थी चलाने वाली महिलाएं उन्हें खूब आदर देती हैं और उन्हें परी मां के नाम से बुलाती हैं। जमीन से जुड़ी प्रमिला ने महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। निःसंदेह उनके सांसद बनने में बीजद के सुप्रीमो नवीन पटनायक की बड़ी भूमिका है। प्रमिला ने दो लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की। जब प्रमिला ने धनाढ्य प्रत्याशियों और भाजपा की उम्मीदवार को हराया तो नवीन पटनायक ने कहा कि यह महिला शक्ति से जुड़ी लाखों महिलाओं के लिये एक उपहार है। वाकई यह कमाल की बात है कि कम पढ़ी-लिखी होने के बावजूद प्रमिला ने स्वयं सहायता समूहों को कुशल नेतृत्व दिया है। उनमें एक गुण यह भी है कि वह समय के सवालों पर तुरंत गीत रच देती हैं। फिर गाकर महिलाओं को प्रेरित भी करती हैं। मजेदार बात यह भी है कि उन्हें न तो अंग्रेजी आती है और न ही हिंदी। फिर भी आत्मविश्वास में कोई कमी नहीं। वह विश्वास के साथ कहती हैं कि वह संसद में अपनी मातृभाषा में ही बात करेंगी और महिलाओं के मुद्दे उठाती रहेंगी। यही आत्मविश्वास प्रमिला को अन्य महिलाओं से अलग करता है। निःसंदेह पितृसत्ता की सीमाओं को लांघते हुए उन्होंने महिला सशक्तीकरण की दिशा में जमीनी स्तर पर कामयाबी पायी है। आज जब संसद में करोड़पति सांसदों का वर्चस्व है तो प्रमिला ने चुनाव जीतकर निम्न मध्यवर्गीय लोगों की उम्मीदों को पंख दिये हैं। उन्होंने लाखों लड़कियों व महिलाओं में विश्वास जगाया है कि वे मेहनत व लगन से अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं। वे स्वयं सहायता समूहों के जरिये परिवार का भरण-पोषण सम्मानजक ढंग से कर सकती हैं। यह भी कि काम कितना भी छोटा हो, उसे सीढ़ी बनाकर आगे बढ़ जाओ। दरअसल, प्रमिला की प्राथमिकता घर-परिवार में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने और स्वरोजगार पर बल देने की रही है। इसके अलावा वह पंद्रह वर्ष से समाज सेवा में सक्रिय रही हैं।

क्षेत्र के ग्रामीण इलाके में महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता व कुपोषण से जूझने के लिये अभियान चलाती रही हैं। प्रमिला ने अपने गांव को खुले में शौच से मुक्त करने के लिये भी अभियान चलाया। अपने गांव के निकट स्थित पहाड़ी में मोर व अन्य वन्यजीवों को बचाने के लिये भी प्रमिला ने पहल की। पर्यावरण संरक्षण के अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका के लिये उन्हें प्रकृति बंधु व प्रकृति मित्र सम्मान भी दिये गये।

निःसंदेह, प्रमिला को संसद की दहलीज तक पहुंचाने में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की बड़ी भूमिका रही है मगर इस सफलता में प्रमिला का सामाजिक योगदान भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। जिसके जरिये उन्होंने धनबल की राजनीति को धता बताते हुए एक नई प्रेरक मिसाल पेश की है।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक उत्सव में हिस्सेदारी लेंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सचेत रहें। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कर्क व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। भारी व्यय की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे।

सिंह आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्थानान्तरण या परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। आर्थिक उन्नति के योग हैं। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। नए अनुबंध मिलेंगे। नेत्र विकार के प्रति सचेत रहें। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

धनु व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आपके पराक्रम तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

मीन राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

बैंकिंग कंपनियों के लुढ़कने से लगातार तीसरे दिन गिरा सेंसेक्स

मुंबई:

बैंकिंग शेयरों में गिरावट तथा वैश्विक बाजारों के नरम संकेतों के चलते शुक्रवार को सेंसेक्स में लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। यह करीब 289 अंक टूटकर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला शेयर सूचकांक सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 400 अंक के करीब गिर गया था। हालांकि कारोबार के समाप्त होने पर यह 289.29 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,452.07 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 39,363.45 अंक के निचले स्तर और 39,799.90 अंक के उच्चतम स्तर को भी छुआ। इसी तरह एनएसई का निफ्टी भी 90.75 अंक यानी 0.76 प्रतिशत गिरकर 11,823.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, बजाज ऑटो, येस बैंक, एचसीएल टेक, हिंदुस्तान यूनिलीवर्स और हीरो मोटोकॉर्प के शेयर 4.36 प्रतिशत तक गिर गए। हालांकि एलएंडटी, सन फार्मा, वेदांता, पावरग्रिड और टीसीएस के शेयर 0.80 प्रतिशत तक मजबूत हुए। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता को लेकर जारी अनिश्चितता तथा बृहस्पतिवार को ओमान की खाड़ी में दो तेल टैंकरों पर हमले के बाद ईरान के साथ अमेरिका का तनाव बढ़ने के चलते नरम वैश्विक संकेतों से घरेलू बाजार गिरावट में रहे। ब्रेंट क्रूड पिछले दो दिनों में चार प्रतिशत से अधिक उछला है। एशियाई बाजार गिरावट में बंद हुए। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार भी गिरावट में चल रहे हैं। भारतीय मुद्रा रुपया 19 पैसे कमजोर होकर 69.69 डॉलर प्रति रुपए पर चल रही है।

ट्रम्प सरकार को झटका, 29 अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगा सकता है भारत

नई दिल्ली:

भारत 29 अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क लगाने के फैसले को कई बार टालने के बाद अमेरिका को झटका देने की तैयारी में है। सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि इस बार भारत बादाम, अखरोट और दालों सहित 29 अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगाएगा। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय इस संबंध में जल्द ही एक नोटिफिकेशन जारी करेगा।

भारत एक साल से टालता आ रहा इम्पोर्ट टैरिफ

मंत्रालय बीते साल मई से ही अमेरिकी उत्पादों पर इम्पोर्ट टैरिफ लगाने के फैसले को टालता आ रहा है। इस बार यह डेडलाइन 16 जून को खत्म हो रही है। अमेरिका द्वारा चुनिंदा स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों पर भारी कस्टम ड्यूटी लगाने के फैसले के बाद जून में भारत में अमेरिका के कई उत्पादों पर ड्यूटी लगाने का ऐलान किया था। हालांकि उसके बाद से ही भारत अपने फैसले को टालता आ रहा है।

टैरिफ की नई दरें पहले ही कर चुक है नोटिफाई

इसके तहत भारत ने कई उत्पादों पर भारी टैरिफ नोटिफाई किए थे। अखरोट पर इम्पोर्ट ड्यूटी 30 फीसदी से बढ़ाकर 120 फीसदी कर दी गई, वहीं छोले, चने और मसूर दाल पर टैरिफ 30 फीसदी से बढ़ाकर 70 फीसदी कर दिया गया। दालों पर टैरिफ बढ़ाकर 40 फीसदी कर दिया गया।

48 अरब डॉलर का निर्यात करता है भारत

भारत ने वित्त वर्ष 2017-18 में अमेरिका को 47.9 अरब डॉलर का निर्यात किया था, जबकि वहां से 26.7 अरब डॉलर का आयात किया था। इस लिहाज से ट्रेड बैलेंस भारत के पक्ष में है।

इस कंपनी ने किया बड़ा धमाका, 11 सालों तक चलेगा यह स्मार्ट बल्ब

नई दिल्ली ।

चायनीज कंपनी शियोमी ने स्मार्ट बल्ब के मार्केट में बड़ा धमाका किया है। कंपनी ने **Mi LED** स्मार्ट बल्ब की भारत में सेल शुरू कर दी है। इसकी कीमत 1299 रुपये है। **Mi LED** स्मार्ट बल्ब डेढ़ करोड़ रंगों में स्विच कर सकता है। इसे एमआई होम ऐप के थ्रू भी कंट्रोल किया जा सकता है। इससे बल्ब में हम कोई भी रंग सेलेक्ट कर सकते हैं और ऑन-ऑफ का टाइम भी शेड्यूल कर सकते हैं। कंपनी ने दावा किया है कि इस बल्ब की उम्र 11 साल है। मतलब 11 सालों तक यह खराब नहीं होगा। अप्रैल में ऋद्गस्रद्बद्ध ड्ड3 के लॉन्च के दौरान इसकी घोषणा की गई थी। उस वक्त क्राउडफंडिंग के तहत यह बल्ब 999 रुपये में उपलब्ध था। इस बल्ब को **Mi.com** के साथ साथ एमेज़ॉन और फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स वेबसाइट्स के ज़रिए ऑर्डर किया जा सकता है।

बल्ब कुल 10 वॉट का है, इसलिए इसको जलाने पर बिजली का खर्च भी काफी कम आएगा। इतने कम पावर में यह 800 ल्यूमेन ब्राइटनेस ऑफर करता है। कंपनी का दावा है कि यह स्मार्ट बल्ब आपके लिविंग स्पेस को पूरी तरह बदल देगा। शियोमी का यह स्मार्ट बल्ब ऐमजॉन अलेक्सा और गूगल असिस्टेंट को भी सपोर्ट करता है। इसकी मदद से आप न सिर्फ लाइट चालू और बंद कर पाएंगे बल्कि ब्राइटनेस और कलर टेम्प्रेचर को भी एडजस्ट कर सकेंगे। इस स्मार्ट बल्ब में सनराइज और सनसेट मोड्स दिए गए हैं। शियोमी का कहना है कि यह बल्ब आपके **Wi-Fi** से भी कनेक्ट हो जाएगा। शाओमी का स्मार्ट बल्ब आपके मिजाज और जरूरत के हिसाब से कलर बदलने की सुविधा देगा। कलर प्रोफाइल बदलने के अलावा आप लाइट के टेम्प्रेचर को भी बदल सकेंगे।

22 महीने के निचले स्तर पर पहुंची महंगाई दर

नई दिल्ली :

खाद्य पदार्थों की महँगाई दर सात प्रतिशत के करीब रहने के बावजूद ईंधन एवं बिजली तथा विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में अपेक्षाकृत कम वृद्धि से मई महीने में थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर घटकर 2.45 प्रतिशत रह गयी जो 22 महीने का निचला स्तर है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आँकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2019 में थोक महँगाई की दर 3.07 प्रतिशत और मई 2018 में 4.78 प्रतिशत रही थी। थोक महँगाई का इससे निचला स्तर 1.88 प्रतिशत रहा था जो जुलाई 2017 में दर्ज किया गया था। मई में खाद्य पदार्थों की महँगाई दर 6.99 प्रतिशत रही। इनमें हरी सब्जियाँ मई 2018 के मुकाबले 33.15 प्रतिशत महँगी हुईं जबकि आलू 23.36 प्रतिशत सस्ता हो गया। फलों के दाम भी 3.51 प्रतिशत घटे। दालों की महँगाई दर 18.36 फीसदी और प्याज की 15.85 फीसदी रही। चीनी के दाम 11.61 प्रतिशत बढ़े। ईंधन एवं बिजली वर्ग की महँगाई दर 0.94 प्रतिशत रही। डीजल के दाम 1.28 प्रतिशत बढ़े जबकि पेट्रोल की कीमत 1.02 प्रतिशत घट गयी। रसोई गैस की महँगाई दर 13.26 प्रतिशत रही।

इफ्को को 2018-19 में 841 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली: उवर्रक बनाने वाली सहकारी कंपनी इफ्को का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2018-19 में 10 प्रतिशत घट कर 841.58 करोड़ रुपए रहा। पिछले वित्त वर्ष 2017-18 में यह 937.17 करोड़ रुपए था। कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार समीक्षावधि में कंपनी का कुल कारोबार 34 प्रतिशत बढ़कर 27,851.74 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 20,787.55 करोड़ रुपए था। समीक्षावधि में कंपनी का कुल उर्वरक उत्पादन 81.49 लाख टन रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 78.71 लाख टन था। वित्त वर्ष 2018-19 के कुल उत्पादन में 45.62 लाख टन यूरिया और 14.19 लाख टन डाई-अमोनियम फास्फेट (डीएपी) का उत्पादन किया गया। इस दौरान इफ्को ने 115.56 लाख टन उर्वरक की बिक्री की जो 2017-18 में 103.03 लाख टन थी।

मई में खुदरा वाहनों की बिक्री 7.5 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली ।

मई में घरेलू बाजार में वाहनों की खुदरा बिक्री 7.5 प्रतिशत घटकर 17,71,920 इकाई रह गयी। मई 2018 में यह आंकड़ा 19,14,795 इकाई रहा था। वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मई में यात्री वाहनों की बिक्री एक प्रतिशत घटकर 2,51,049 इकाई रह गयी। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 7.8 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62,551 इकाई और तिपहिया वाहनों की चार प्रतिशत घटकर 50,959 इकाई रही। दुपहिया वाहनों की बिक्री में 8.6 प्रतिशत की गिरावट आयी और यह मई 2018 के 15,40,377 इकाई से घटकर 14,07,361 इकाई रह गई। लगातार दूसरा महीना है जब साल-दर-साल आधार पर देश में वाहनों की खुदरा बिक्री घट गयी है। फाडा के अध्यक्ष आशीष हर्षराज काले ने इन आँकड़ों पर प्रतिक्रिया देते हुये कहा कि माह-दर-माह आधार पर अप्रैल 2019 की तुलना में वाहनों की बिक्री बढ़ी है, लेकिन साल-दर-साल आधार पर हर श्रेणी में गिरावट दर्ज की गयी है। फाडा ने कहा है कि मौजूदा स्थिति चिंताजनक है और ग्राहक धारणा नकारात्मक बनी हुई है। तरलता की समस्या अब भी है और मानसून की प्रगति में 10 से 12 दिन की देरी बनी हुई है। इससे अगले एक-डेढ़ महीने में भी वाहनों की बिक्री में गिरावट बनी रह सकती है। फाडा ने बताया कि डीलरों के पास दुपहिया वाहनों की इनवेंटरी बढ़ी है जो चिंता का विषय है। उसने कुछ कंपनियों द्वारा वाहनों का उत्पादन घटाने को पूरे ऑटो क्षेत्र की पारिस्थितिकी के लिए दर्द भरा फैसला बताया।

संक्षिप्त समाचार

तीन माह के सबसे ऊंचे रेट पर पहुंचा सोना, जानें 10 ग्राम की कीमत

नई दिल्ली :सोना 300 रुपये की छलाँग लगाकर तीन महीने के उच्चतम स्तर 33,870 रुपये प्रति दस ग्राम पर तथा चांदी 550 रुपये उछलकर एक महीने के उच्चतम स्तर 38,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। विदेशों से मिली जानकारी के अनुसार, सोना हाजिर आज 10.05 डॉलर चमककर 1,353.50 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। पिछले साल मार्च के बाद यह पहला मौका है जब पीली धातु 1,350 डॉलर के पार निकली है। अगस्त का अमेरिकी सोना वायदा भी 14.10 डॉलर की बढ़त में 1,357.80 डॉलर प्रति औंस बोला गया। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि चीन और अमेरिका से कमजोर आर्थिक आँकड़े आने और पश्चिम एशिया में राजनीतिक तनाव बढने् से सुरक्षित धातु की मांग बढ़ी है। अमेरिका ने गुरुवार को ईरान पर आरोप लगाया कि उसने ओमान की खाड़ी में कच्चे तेल के दो टैंकरों पर हमला किया है। इससे अमेरिका-ईरान के संघर्ष को लेकर चिंता बढ़ गयी है। चीन से प्राप्त आँकड़ों के अनुसार, मई में चीन के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 17 साल के निचले स्तर पांच प्रतिशत पर आ गयी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चांदी हाजिर 0.10 डॉलर की बढ़त के साथ 15.01 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

बंद पड़ी जेट एयरवेज पर सरकार ने तोड़ी चुप्पी, कहा- समस्या को हम सुलझा सकते हैं

नई दिल्ली: बंद हो चुकी जेट एयरवेज लिमिटेड की समस्या पर अब नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी का बयान सामने आया है। शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री ने जेट एयरवेज की समस्याओं को सुलझा लेने का भरोसा जताया। पिछले महीने दोबारा सत्ता में आने के बाद मोदी सरकार की तरफ से कर्ज में डूबी संकटग्रस्ट कैरियर को लेकर आया यह पहला बयान है। नई दिल्ली में एक कॉन्फ्रेंस से इतर जेट पर की समस्या पर पुरी ने कहा, हमें विश्वास है कि हम अब बंद हो चुकी कैरियर की समस्या को सुलझा सकते हैं। भारी कर्ज और बढ़ती कीमतों की प्रतिस्पर्धा के चलते कभी देश की सबसे बड़ी प्राइवेट-सेक्टर एयरलाइन रही जेट एयरवेज को अप्रैल में अपनी सेवाएं रोकनी पड़ी थीं। जेट के बंद होने के बाद कंपनी के हजारों कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा। इसके अलावा, देशभर में एयरलाइन इंडस्ट्री में हवाई किराए भी बढ़ गए। अब पिछले कई दिनों से एयरलाइन और इसके कर्जदाता नए इन्वेस्टर्स की तलाश कर रहे हैं, जबकि कर्मचारी संघ सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग कर रही हैं। हालांकि, सरकार चुनाव में जीत के बाद से ही इस मुद्दे पर चुप रही है। बता दें कि हरदीप पुरी ने ऐसे समय में कार्यभार संभाला है जबकि भारतीय एविएशन इंडस्ट्री के बुरे दौर से गुजर रही है। पिछले साल, घाटे में चल रही सरकारी एयरलाइन एयर इंडिया लिमिटेड के लिए भी कोई खरीदार तलाशने में सरकार विफल रही थी। पुरी ने कहा, हमने पिछले समय में सिविल एविएशन में कई गलतियां की हैं, जिन्हें अब सुधारने की जरूरत है।

अडानी को ऑस्ट्रेलिया से राहत, कोयला खदान पर काम को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली/सिडनी। विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाले अडानी समूह की कंपनी अडानी ऑस्ट्रेलिया को मध्य क्वींसलैंड प्रांत स्थित कारमाइकल खदान को भूजल प्रबंधन के आधार पर अंतिम पर्यावरणीय मंजूरी मिल गई है। समूह ने यहां जारी बयान में कहा कि गुरुवार को यह अंतिम मंजूरी मिली। अडानी माइनिंग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लुकास डो ने कहा कि क्वींसलैंड सरकार के पर्यावरण एवं विज्ञान विभाग ने भूजल पर आश्रित पारिस्थिकी के लिए प्रबंधन योजना (जीडीईएमपी) को अनुमोदित कर यह मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के भीतर खदान के लिए काम शुरू हो जाएगा और अगले दो वर्षों में खदान से कोयला निर्यात शुरू हो जाना चाहिए।खदान में काम शुरू होने से उस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। तैयारी और निर्माण के दौरान यह परियोजना 1,500 प्रत्यक्ष और 6,750 अप्रत्यक्ष रोजगार देगी। रॉकहैम्पटन और टाउंसविले रोजगार के प्रमुख केन्द्र होंगे। अडानी ने वर्ष 2010 में इसका अधिग्रहण किया था और इसमें वार्षिक 80 लाख से एक करोड़ टन कोयला उत्पादन का अनुमान था, लेकिन स्थानीय स्तर पर इसका भारी विरोध शुरू हो गया था और मामला अदालत में पहुंच गया।

कनेक्ट इंडिया ने जालंधर में अपना पहला रैपिड फुलफिलमेंट सेंटर किया शुरू

जालंधर (एस खन्ना) ।

लास्ट माइल डिलीवरी (एलएमडी) लॉजिस्टिक्स में अग्रणी कनेक्ट इंडिया ने पंजाब के जिला जालंधर में अपना पहला रैपिड फुलफिलमेंट सेंटर (आरएफसी) लांच किया है। यह आरएफसी जिले में पहला केन्द्र है, जो लगभग 100 पिनकोड्स तक एलएमडी की सुविधा देगा, जो पहले सेवा से वंचित थे। यह आरएफसी अपनी आपूर्ति की सीमा में और आसपास ई-कॉमर्स, स्थानीय उद्यमिता और रोजगार सृजन को प्रत्यक्ष सहयोग देगा। लांच के अवसर पर कनेक्ट इंडिया के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलआर श्रीधर ने कहा कि जालंधर में हमारे पहले आरएफसी का शुरू होना कनेक्ट इंडिया की वृद्धि के अगले चरण को रेखांकित करता है। यह मजबूत चैनल बनाने के हमारे मिशन को दोहराता है, जो भारत के प्रत्येक पिन कोड तक आपूर्ति करेगा। उन्होंने कहा कि अगले 18 माह में हम भारत के सभी 350 जिलों में ऐसे 125 केन्द्र स्थापित करेंगे। हम भारतव्यापी कनेक्टिविटी पाने की दिशा में काम करेंगे, जिससे सेवा से वंचित क्षेत्रों में मार्केट लिंकेज, स्थानीय उद्यम और रोजगार सृजन को मजबूती मिलेगी। कंपनी के आरएफसी मॉडल के प्रत्येक जिले में बहुगुणित एक्सेस प्वाइंट बनेंगे, जिससे ग्रामीण उद्यमियों का सशक्तिकरण होगा और ग्राहक संगठित अर्थव्यवस्था में भाग ले सकेंगे।

उन्होंने कहा कि फ्लिपकार्ट और अमेजन 31 फीसदी की दर से ऑनलाइन रिटेल बिक्री का नेतृत्व कर रहे हैं और कनेक्ट इंडिया का बढ़ता नेटवर्क गांवों से नए ग्राहक ला रहा है और औपचारिक अर्थव्यवस्था की वृद्धि में योगदान दे रहा है।

वर्तमान में कनेक्ट इंडिया फ्लिपकार्ट, अमेजन, ब्लू डार्ट, नापतोल इत्यादि के लिए देश भर में करीब 6500 पिनकोड्स तक एक लाख से अधिक ई-कॉमर्स डिलीवरीज कर रहा है। इस उद्योग के अवसरों और प्रसार को देखते हुए यह कई कंपनियों और निवेश को आकर्षित करेगा और बाजार में नई कंपनियों का मार्ग प्रशस्त होगा।

एयर इंडिया की अमृतसर-दिल्ली-टोरंटो उड़ान 27 सितंबर से- नागरिक उड्डयन मंत्री

नई दिल्ली: नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि एयर इंडिया की अमृतसर-दिल्ली-टोरंटो उड़ान 27 सितंबर से शुरू होगी। सप्ताह में 3 दिन यह उड़ान उपलब्ध होगी। पुरी ने शुक्रवार को ट्वीटर पर कहा, ''श्री अमृतसर साहिब और कनाडा के बीच एयर इंडिया की उड़ान के शुभारंभ की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 27 सितंबर 2019 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर अमृतसर-दिल्ली-टोरंटो उड़ान सेवा शुरू होगी।%% उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं श्री हरमंदिर साहिब, दुर्गियाना मंदिर और अन्य पवित्र स्थानों के दर्शन करने के लिए उत्तरी अमेरिका से आने वाले श्रद्धालुओं और गुरू नगरी के नागरिकों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा कर रहा हूं।%% फिलहाल राज्यसभा के सदस्य पुरी ने 2019 में अमृतसर लोकसभा सीट से आम चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें कांग्रेस के गुरजीत सिंह औजला से हार का सामना करना पड़ा था।

वेव ग्रुप के एमडी मोंटी की गिरफ्तारी से घर का सपना देखने वाले हजारों लोगों की टेंशन बढ़ी

नई दिल्ली - दिल्ली पुलिस ने मोंटी चड्ढा को उस वक्त एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था जब वह विदेश भागने की कोशिश में था। बता दें कि वेव ग्रुप पर लोगों से पैसा लेकर फ्लैट नहीं देने का आरोप है। उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी था। इस गिरफ्तारी के बाद प्राइम लोकेशन सेक्टर-32 में घर का सपना देख रहे वेव ग्रुप के बायर्स की टेंशन बढ़ गई है। इनके कमर्शल और रेजिडेंशल प्रॉजेक्ट फंस सकते हैं।

2011 में पोंटी चड्ढा ने सेक्टर-25ए, 32 में 152 एकड़ जमीन यहां पर खरीदी थी। पोंटी चड्ढा की हत्या के बाद ग्रुप की हालत खराब होने पर करीब ढाई साल पहले 110 एकड़ जमीन वापस कर दी। 164820 वर्ग मीटर जमीन में जो कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। इसमें 2 ए, बी, सी, डी, ई, एफ ब्लॉक में बन रहे ग्रुप हाउसिंग प्रॉजेक्ट में करीब 2500 बायर्स फंसे हैं। वहीं, 3 डी, ई, एफ, जी, एच व जे ब्लॉक में कमर्शल स्कीम के तहत सैकड़ों लोग फंसे हैं। 2021 तक इन दोनों प्रॉजेक्ट को पूरा करने की डेडलाइन है लेकिन इनकी हालत और ग्रुप की हालत देखते हुए बायर्स को अगले दो साल में इनके मिलने की उम्मीद नहीं है।

सेक्टर-18 के एक प्लॉट में डिफॉल्टर है यह ग्रुप

सेक्टर-18 की करीब 40 फीसदी जमीन वेव ग्रुप को बेची गई थी। इसमें प्लॉट नंबर डी-6 जिसमें सेंटर स्टेज मॉल बना है। गुरुद्वारे के पास एल-2ए प्लॉट भी इसी ग्रुप का है। सेक्टर-18 में ही स्थित 657 करोड़ के एल-5 प्लॉट में यह ग्रुप अथॉरिटी का डिफॉल्टर है। डेडलाइन पर पेमेंट न हो पाने की वजह से अथॉरिटी ने यह प्लॉट कैंसल कर दिया है।

यह है मामला

किसान संघर्ष समिति के पदाधिकारी पवन नागर ने बताया कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2006 में हाईटेक टाउनशिप के लिए गाजियाबाद की दो फर्मों को लाइसेंस दिया था। दोनों फर्में मोंटी चड्ढा की हैं। इस प्रॉजेक्ट के लिए गाजियाबाद व गौतमबुद्धनगर के करीब 20 गांवों की जमीन को नोटिफाई कर दिया गया था। इसमें मैसर्स उप्पल चड्ढा हाईटेक डिवेलपर्स लिमिटेड की तरफ से 4494.31 एकड़ जमीन की डीपीआर का रिवाइज्ड लेआउट प्लान जीडीए ने 12 जुलाई 2011 में स्वीकार किया था। हालांकि बिल्डर ने अब तक केवल 2850 एकड़ जमीन ही किसानों से क्रय की है। वहीं, मैसर्स सनसिटी हाईटेक इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से 4312.99 एकड़ जमीन की डीपीआर स्वीकार की गई थी। सनसिटी बिल्डर भी अब तक केवल 671 एकड़ जमीन ही खरीद सका है। एरिया नोटिफाई होने की वजह से किसान इन बिल्डरों के अलावा किसी और को अपनी जमीन बेच नहीं सकते हैं। न ही वहां किसी तरह का निर्माण कार्य किया जा सकता है।

दरअसल, एरिया नोटिफाई होने की वजह से जीडीए वहां का कोई नक्शा पास नहीं करता है। ऐसे में किसान इस योजना को रिवाइज्ड किए जाने की मांग को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। किसान हाईटेक टाउनशिप योजना का लाइसेंस रद्द करने की मांग कर रहे हैं।

गाजियाबाद के 3 हजार किसानों की जमीन भी फंसी

खाधड़ी के मामले में फंसे मोंटी चड्ढा का गाजियाबाद में एनएच-24 पर हाईटेक टाउनशिप योजना के तहत वेव सिटी प्रॉजेक्ट चल रहा है। इसमें करीब 20 गांवों के 3 हजार से अधिक किसानों की जमीन फंसी है। इनमें गौतमबुद्ध नगर के भी कुछ किसान शामिल हैं। पिछले दिनों हाई कोर्ट ने जीडीए वीसी कंचन वर्मा को आदेश दिया है कि दो महीने के भीतर इस मामले का निपटारा कर दिया जाए। फिलहाल जीडीए की तरफ से मामला शासन को भेजा गया है।

कापोद्रा पुलिस ने पोक्सो के तहत अपराध दर्ज कर जांच कार्यवाही शुरु की

सूरत। शुक्रवार कापोद्रा पुलिस स्टेशन विस्तार फरियादी ने आरोपी राजूभाई बचूभाई परमार निवासी बी-403 सोमनाथ काम्प्लेक्स इन्दिरा नगर सोसायटी के पास हीरा बाग वराछा रोड़ सूरत के विरुद्ध कापोद्रा पुलिस स्टेशन में पोक्सो के तहत फरियाद दर्ज कराई है।

कापोद्रा पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी राजूभाई बचूभाई परमार ने फरियादी की पुत्री उम्र 8 बजे वर्ष जब अपने अपार्टमेन्ट बच्चों के साथ खेल रही थी उस वक्त आरोपी ने फरियादी की पुत्री का पकड़ कर उसके गुप्त भाग में छेडछाड़ करने लगा इस पर बच्ची ने चिल्लाना शुरु कर दिया जिससे आरोपी उसे छोड़कर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आई.पी.सी कलम 376(2) (आई) तथा जातीय अपराधों समक्ष बच्चों को आरक्षण देने वाले अधिनियम सन् 2012 (पोक्सो) की कलम 2(बी) 4,5, (एम) 6 के तहत अपराध दर्ज कर कार्यवाही शुरु कर दी है। मामले की जांच पु.इ. एम.के. गुर्जर कर रहे है।

व्यापारी को चाकूमारकर घायल करके आरोपी फरार

सूरत। शुक्रवार कडोदरा गाम की हद में स्थित विंदल मिल के पास सामान्य बात में झगड़ा होने से एक व्यापारी पर चाकू से हमला कर घायल करने के बाद आरोपी फरार हो गया ऐसी घटना कड़ोदरा पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कार्यवाही शुरु कर दी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मूल राजस्थान चित्तौड़गढ़ जिले के निवासी एवं हाल में कडोदरा राजप्लाजा काम्प्लेक्स में रहने वाले अंकित भाई विनोद भाई भादरैया छुटक कपड़े का व्यापार करता है। गत दिवस वह एवं उसके मित्र सुमित कडोदरा गाम के पास स्थित विंदल मिल के पास से गुजर रहे थे तभी तीन बाइक सवार सहित 8 से 9 व्यक्तियों ने एक दूसरे की मदद से चाकू से अंकित एवं उनके मित्र सुमित पर हमला कर मार डालने की धमकी देकर फरार हो गये। घायल व्यापारी को उपचार हेतु सरकारी होस्पिटल में भर्ती किया गया जहां उसने 8 से 9 लोगों के विरुद्ध फरियाद दर्ज कराई है। पुलिस ने रायोटिंग का अपराध दर्ज कर जांच कार्यवाही शुरु कर दी है।

तक्षशिला अग्निकांड में रिमाण्ड पर आरोपी वी.के. परमार की तबियत विगड़ी

पुत्र के आपरेशन के तनाव में पिता का सुगर बढा

सूरत। शुक्रवार सरथाणा स्थित तक्षशिला आर्केड की अग्नि दुर्घटना से सम्बंद्ध एवं हाल रिमाण्ड में रखे गये उधना जोन के डिप्टी इन्जीनियर वी.के. परमार को हर 24 घंटे पर मेडिकल परीक्षण हेतु न्यू सिविल हास्पिटल में ले जाया जा रहा है। जहां पर उनका सुगर 400 पर पहुंच गया है ऐसा पुलिस सूत्रों की सूचना के आधार पर मालूम हुआ जबकि इसके साथ ही उनके पुत्र को श्वांस एवं अन्नली में तकलीफ होने के कारण आपरेशन हेतु अहमदाबाद में एक खानगी होस्पिटल में भर्ती किया गया है। ऐसी सूचना विश्वासनीय सूत्रों से प्राप्त हुई है।

मिली सूचनानुसार 24 मई को सरथाणा के तक्षशिला आर्केड के एक ट्यूशन क्लास में लगी भीषण आग में 22 विद्यार्थियों की दुःखद मृत्यु हो गयी थी सरथाणा पुलिस स्टेशन में आई.पी.सी 304 के तहत अपराध दर्ज कर जांच की कार्यवाही शुरु की गयी थी। इस अपराध की जांच कर रहे ए.सी.पी आर.आर. सरवैया ने उधना के डेप्युटी इन्जीनियर वी.के. परमार की गिरफ्तारी कर शनिवार तक का रिमाण्ड प्राप्त किया है। तक्षशिला आर्केड की इम्पैक्ट फीस की फाइल में वी.के. परमार की सही है। गत दिवस उन्हें मेडिकल हेतु सिविल हास्पिटल में ले जाया गया था। जहां पर उनका सुगर-लेवल 400 आया था, सामान्य तौर पर उन्हें 200 सुगर-रहता है ऐसा जानने में आया है।

वराछा पुलिस ने अलग-अलग पांच जगह छापा मार 32 जुआरी पकड़े

सूरत। शुक्रवार को शहर के वराछा पुलिस स्टेशन विस्तार से पुलिस ने मिली सूचनाओं के आधार पर छापा मारकर अलग-अलग पांच स्थानों से कुल 32 जुआरियों को जुआ खेलते रगें हाथ गिरफ्तार कर कुल 2,56,050 रु. जब्त किया। इस तरह से पिछले दिन भी विभिन्न पांच पुलिस स्टेशन विस्तारों से अलग-अलग 29 जुआरियों को गिरफ्तार किया था ऐसी स्थिति को देखते हुये ऐसा लगता है कि ल ोगों में पुलिस का प्रभार नहीं रहा या तो पलिस इन मामलों में नियमित वृद्धि हो रही है। वास्तविकता तो जुआरियों एवं पुलिस के बीच ही है इसलिये वे बेहतर जानते है कि स्थिति क्या है? लेकिन आम जनता की नजर इन बढती घटनाओं पर जरुर है कि ऐसा पुलिस के संरक्षण में होता है या ये जुआरी पुलिस के अस्तित्व को चुनौती दे रहे है।

उपरोक्त संदर्भ में पांचों घटनाये वराछा पुलिस स्टेशन विस्तार की ही है।

पहली घटना अंबिकानगर सोसायटी घर नं. एल-3 के दूसरी मंजिल के रूम नं. 1 में घटी जिसमें पुलिस ने 1. नितिन भाई मनुभाई कवाड़ 2 निवेश विट्ठल भाई शिवाल 3. शैलेष भाई धीरुभाई किकाणी 4. विजय भाई हसमुख भाई खसिया. 5. शान्तिभाई नागजी भाई चोटलिया. 6. हितेन्द्र हिम्मत भाई दवे को सूचना के आधार पर छापा मारकर रंगे हाथ गिरफ्तार कर कुल रु. 61,270 की मत्ता जब्त की है तथा आरोपियों के विरुद्ध कायदेसर कार्यवाही की है।

दुसरी घटना- विट्ठल नगर मकान नं. बी/18 के पास जाहेर में पत्ता पाना का हारजीत का जुआ खेलते रंगे हाथ पुलिस ने मिली गुप्त सूचना के आधार पर छापा मार कर निम्न आरोपियों राजानन्द भानुदास लोखण्डे, शिवाजी मोठे वालो खण्डे, राधाकृष्ण कोण्डी बा कोरडे, साडू नामदेव कालमीले, विट्ठल भाई भानुदास देठे, संदीप शान्ता राम चौधरी, समाधान पांडुरंग, इच्चे, विजय भाई पंडित सुरडकर को गिरफ्तार कर कुल रु. 15,750 का मुद्दामाल जब्त कर कायदेसर कार्यवाही की।

तीसरी घटना- वराछा मिनीबाजार राजहंस हाइट्स आफिस न. 414 पांचवी मंजिल पर सूचना के आधार पर छापा मारकर किशोर भाई हीरा भाई पटेल, मुकेश भाई कालूभाई सिगाणा, प्रवीण भाई भालूभा जाहेजा, किशोर भाई बाबू भाई पटेल, भद्रेश भाई हिम्मत भाई महेता को गंजी पाना का जुआ खेलते रंगे हाथ गिरफ्तार कर कायदेसर कार्यवाही की तथा मौके से कुल मिलाकर रु. 72,100 की माल मत्ता कब्जे में लिया।

चौथी घटना- वराछा फुदीना वाड़ी ए.के. रोड़ प्लोट नं. 40 पहली मंजिल की है जहां स्थानीय पुलिस ने छापा मार कर जुआ खेलते भारत भाई बचू भाई विराणी, विन भाई लालजी भाई भेदपरा, पारस भाई सुरेश भाई खुंट, राकेश भाई वालजी भाई पटेल, राजूभाई दुधाभाई मेदपरा को गिरफ्तार कर मौके से कुल मिलाकर रु. 89,530 की माल मत्ता जब्त की तथा आरोपियों के विरुद्ध कायदेसर कार्यवाही की।

पांचवी घटना वराछा पर्षा सोसायटी विभाग-2 घर नं. ए/228 की छत पर खुले में जुआ खेलते निम्न आरोपियों को भरत भाई सोड़ा भाई कलसरिया परेश भाई गभरुभाई मकवाणा, शैलेष भाई सोड़ा भाई कलसरिया, दिनेश भाई सोडा भाई कलसरिया, रघुभाई उकाभाई वलदाणिया, किशोर भाई भीखाभाई वाणिया भावेश भाई समंत भाई कातरिया, अल्पेश भाई समंत भाई कातरिया अशोक भाई आतू भाई राठोड़ को गिरफ्तार कर उनके पास से कुल मिलाकर रु. 17,400 की मत्तामाल जब्त किया है।

गर्मी का प्रमाण अभी भी अकबंध है तब मटके की बिक्री अभी भी जारी है।

मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने स्टेट इमरजन्सी की महत्वपूर्ण बैठक की थी। जिसमें सभी मुद्दो पर चर्चा हुई थी।

पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

गुजरात के थानगढ़ में दलितों पर हमला, युवक की मौत हुई

आपसी रंजिश में तीन लोगों ने दो दलित युवकों पर हमला कर गोली मार दी, जिसमें एक की मौत हो गई

अहमदाबाद,।

गुजरात के थानगढ़ में एक बार फिर दलितों पर हमला करने का मामला सामे आया है । आपसी रंजिश में तीन लोगों ने दो दलित युवकों पर हमला कर गोली मार दी, जिसमें एक की मौत हो गई और दूसरे की हालत नाजुक बताई जा रही है । मृतक के परिजनों ने शब लेने से इनकार कर दिया था । हालांकि पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, तब जाकर परिजनों ने शव को स्वीकार किया है ।

बुधवार रात थानगढ़ के मफतीयापरा इलाके में नरेश दिनुभाई घाघल सहित अन्य दो शख्सों ने दलित युवक प्रकाश कांतीभाई (परमार) व उसके चाचा सुरेश देवजीभाई परमार पर हमला कर दिया था । इस दौरान एक हमलावर युवक ने दलित युवक प्रकाश व उसके सुरेश परमार को गोली मार दी । गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को उपचार के लिए राजकोट सिविल अस्पताल में ले जाया गया, जहां प्रकाश की मौत हो गई और उसके चाचा सुरेशभाई परमार की हालत नाजुक है। पुलिस मामले की जांच करी रही है।

पुलिस के उच्चाधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि अपशी रंजिश के चलते दलित युवकों पर हमला किया गया। अस्पताल के बाहर भारी संख्या में दलित समाज एकत्रित हो गए थे। मृतक के परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया था । तीन आरोपियों में से दो आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मृतक के परिजनों ने शव स्वीकार किया है । हालांकि अभी भी पुरे इलाके में तनावपूर्ण माहोल है। जिसके चलते यहां पुलिस का कड़ा बंदोबस्त किया गया है । दलित समुदाय के लोगों की मांग है कि आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए और मृतक के परिजनों को सरकार से मुआवजा तथा जमीन और परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

चक्रवाती तूफान 'वायु' से अब और खतरा नहीं : विजय रुपाणी

अहमदाबाद, ६ जून ।

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने शुक्रवार को कहा कि चक्रवाती तूफान 'वायु' से राज्य को अब और खतरा नहीं है क्योंकि इसने पश्चिम दिशा की ओर रुख कर लिया है।

गांधीनगर में शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक के बाद रुपाणी ने प्रशासन को सुरक्षित जगह पर भेजे गए करीब २.७५ लाख लोगों को उनके अपने-अपने घर वापस भेजने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, गुजरात अब पूरी तरह सुरक्षित है । चक्रवाती तूफान 'वायु' से अब कोई खतरा नहीं है क्योंकि तूफान अब अरब सागर में पश्चिम की ओर बढ़ गया है।उन्होंने पत्रकारों को बताया, तटीय इलाकों से करीब २.७५ लाख लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया था जो अब अपने-अपने घरों को लौट के लिये स्वतंत्र हैं। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार अगले तीन दिनों तक शरणार्थियों के दैनिक खर्च के लिए तकरीबन ५.५० करोड़ रुपये की राशि का भुगतान करेगी। यहां के मौसम विज्ञान केंद्र के ताजा मौसम रिपोर्ट के अनुसार तूफान तट से धीरे-धीरे दूर जा रहा है और फिलहाल यह पोरबंदर से करीब १५० किलोमीटर दूर अरब सागर में स्थित है। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने कहा, स्कूल और कॉलेज कल से अपने नियत समय पर शुरू हो जाएंगे । राहत और बचाव अभियान की निगरानी के लिए तटीय जिलों में नियुक्त किए गए वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों को भी वापस आने का निर्देश दे दिया गया है । उन इलाकों में आज से सड़कों पर बस सेवा शुरू हो गई है । उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) अगले ४८ घंटे तक तटीय इलाकों में बने रहेंगे ।

तूफान 'वायु' दिशा बदल कर कच्छ में पहुंच सकता है

अहमदाबाद । चक्रवाती तूफान 'वायु' दिशा बदल कर गजरात के कच्छ में पहुंच सकता है । रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को इसके पहुंचने का अनुमान है । चक्रवाती तूफान गुजरात के पोरबंदर और द्वारका में भी बड़ा असर डालेगा । अगले ४८ घंटों के दौरान इसके पश्चिम की ओर बढ़ने का अनुमान है । इसके बाद यह फिर से उत्तर-पूर्व की ओर फिर से बढ़ सकता है । इसको लेकर गुजरात राज्य प्रशासन अलर्ट पर है । हालांकि, गुरुवार सुबह राहत की खबर ये आई कि वायु का असर पूरे राज्य पर नहीं बल्कि तटीय इलाको में देखने को मिल सकता है । किसी भी अनहोनी का सामना करने के लिए एनडीआरएफ की ५२, एसडीआरएफ की ९ और एसआरपी की १४ कंपनिया तैनात है । केन्द्र सरकार भी राज्य सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है । गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने चक्रवाती तूफान वायु पर हुई बैठक में कहा था कि मौसम विभाग की जानकारी के मुताबिक गुजरात पर खतरा बनकर आ रहा चक्रवात 'वायु' अब ओमान की ओर मुड गया है । लेकिन इस के बाद भी अगले ४८ घंटे गुजरात के लिए अहम रहेंगे । इस दौरान स्थानीय प्रशासन और एनीआरएफ की टीमे हाई अलर्ट मोड पर रहेंगी । प्रभावित जिलों के सभी स्कूल, कॉलेज बंद रहेंगे । चक्रवाती 'वायु' के चलते ७ मेन-लाइन ट्रेने रद्द कर दी है । इससे अलावा ५ ट्रेनों अल्पावधि के लिए आंशिक रुप से रद्द की गई है ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)